संयुक्त राष्ट्र संघ

बैंक और यूएन में सहयोग दोनों संस्थानों की स्थापना के समय (1944 व 1945) से रहा है और यह सहयोग पारस्परिक चिन्ताओं के आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करता है जैसे कि गरीबी मिटाना, सुस्थिर विकास को बढ़ावा देना तथा लोगों में निवेश करना। संयुक्त एजेन्डा के अलावा, बैंक और यूएन की सदस्यता भी लगभग वही है। केवल कुछ मुट्ठी भर यूएन सदस्य देश, जिनमें क्यूवा और कोरिया का लोकतन्त्रीय जन गणतन्त्र शामिल हैं, बैंक के सदस्य नहीं हैं।

बैंक का संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ औपचारिक सम्बन्ध 1947 के एक समझौते के द्वारा परिभाषित होता है जो बैंक को यूएन की एक स्वतन्त्र विशेषीकृत एजेन्सी के रूप में और साथ ही साथ बहुत से यूएन निकायों में एक सदस्य व पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता देता है। संयुक्त राष्ट्र और ब्रेटन वूड्स संस्थानों के बीच सहयोगपूर्ण गतिविधियों के स्वभाव के बारे में हाल ही की एक समीक्षा पुष्टि करती है कि उनके बीच एक बहुआयामी, व्यापक और बढ़ती हुई भागीदारी विद्यमान है।

बैंक जनरल असेम्बली और इसकी समितियों, दि इकॉनॉमिक एंड सोशल कौंसिल (ई सी ओ एस ओ सी) जिसके सदस्यों ने हाल ही में बैंक के कार्यकारी निदेशकों, तथा संयुक्त राष्ट्र के चीफ एक्ज़ीक्यूटिव बोर्ड फॉर कोर्डिनेशन जैसे निकायों के साथ विकास मुद्दों पर वार्ता में भाग लिया था, के काम में राजनीतिक व नीति-निर्माण स्तर पर भी यूएन के साथ सम्बन्ध रखता है। बोर्ड के विश्वव्यापी और देशों के स्तरों पर सकारात्मक सहयोग की सीमा में निम्नलिखित शामिल हैं:

- कार्यपालक स्तर पर, बैंक के अध्यक्ष और महासचिव वास्तविक मुद्दों पर निरन्तर संवाद करते रहते हैं जैसे कि गरीबी उन्मूलन, अफ्रीका में क्षमता निर्माण, मानवीयता व युद्ध के बाद के मुद्दे, मानवाधिकार तथा विकास हेतु वित्तीय पोषण। इसके अलावा, अध्यक्ष वाल्फंसन बहुत-सी यू एन फोरमों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं, जैसेकि ई सी ओ एस ओ सी के नीति संबंधित वस्तुगत संवाद, और यू एन कार्यक्रमों, विशेषीकृत एजेन्सियों और आयोगों के प्रमुखों जैसे मानव अधिकारों हेतु उच्च आयुक्त के साथ लगातार संवाद कायम रखते हैं।
- राजनीतिक स्तर पर, सदस्य राज्यों द्वारा प्रतिनिधित्व के रूप में, बैंक कई यूएन निकायों में पर्यवेक्षक का स्तर रखता है, इनमें जनरल असेम्बली और इसकी दूसरी व तीसरी समितियां तथा ई सी ओ एस ओ सी शामिल है, जो उन मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करती हैं जिनका सीधा प्रभाव बैंक के काम पर पड़ता है, जैसे कि जनसंख्या, गरीबी, एच आई वी/एड्स, लैंगिक भेदभाव सम्बन्धी मुद्दे तथा महिलायें व विकास, शासन और नागरिक समाज, संचार, एवं पर्यावरण। इसके अलावा, बैंक अलग-अलग सदस्य देशों व राजनीतिक समूहों जैसे कि जी-77 और यूरोपीय संघ के साथ एक सक्रिय संवाद रखता है।

कार्य सम्बन्धी स्तर पर, बैंक, एक विशेषीकृत यूएन एजेन्सी के रूप में, अन्य यूएन फंड्स व कार्यक्रमों के साथ अपने परियोजना कार्य में नीति सहयोग, परियोजना क्रियान्वयन, सहवित्त-पोषण तथा सहायता संबंधी तालमेल के माध्यम से काम करता है। उदाहरण के लिए बैंक एच आई वी/एड्स के विरूद्ध लड़ाई में विश्व के सबसे अधिक अंशदान देने वालों में, तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के एड्स हेतु कार्यक्रम (यू एन एड्स) के छह सहप्रायोजकों में से एक है। और बैंक की वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यु एफ पी) के साथ भागीदारी उनके कार्य के बदले भोजन, समुदाय की बुनियादी आवश्यकताओं के कार्यक्रमों को बैंक के अनुवर्ती निवेशों से जोड़ता है। इसके अलावा बैंक संयुक्त राष्ट्र संघ की विश्वव्यापी कॉन्फ्रेंस प्रक्रिया का एक अखंड हिस्सा है। बैंक एक तरह से यूएन की सभी विश्वव्यापी कॉन्फ्रेंसों के लिए तैयारी करने में मदद करता है तथा संयुक्त राष्ट्र संघ कॉन्फ्रेंसों में देशों के स्तर पर लक्ष्यों के क्रियान्वयन के लिए आगामी काम करने हेतु कार्यदलों के एक सक्रिय सदस्य के रूप में भाग लेता है।
संयुक्त राष्ट्र संघ पर और अधिक जानकारी के लिए, यू एन सिस्टम ऑफ ऑर्गेनाइजेशंस देखें।